1

BA-(H)
मैथिली प्रतिष्ठा
पारिचायिका
Lecture-III

प्रो० संजीव कुमार राम
(अतिथि सहायक प्राध्यापक) G/T
मैथिली विभाग
R.S.J. College, Rajnagar
Madhubani (L.N.M.U)

रमानाथ झाक साहित्य-पत्र : 'साहित्य-पत्र' नामक सुप्रसिद्ध त्रैमासिक पत्रिका ई प्रतिष्ठापक, संचालक तथा सम्पादक छलाह।

साहित्य-पत्रक महत्व दू दृष्टिएँ अछि। पहिल ई जे एहिमे मैथिलीक सुप्रसिद्ध साहित्यकार लोकनिक महत्वपूर्ण मौलिक ओ अनूदित ग्रन्थक धारावाही प्रकाशन भेल। कविशेखर बदरीनाथ झाक एकावली-परिणय महाकाव्य, तन्त्रनाथ झाक कीचकवध महाकाव्य, कुमार गंगानन्द सिंहक अगिलहा, अनुवादक एकर्षि आदि आनो किछु प्रसिद्ध ग्रन्थ प्रथमतः एही पत्रमे छपल। एकर उद्देश्य छल पाठीक प्रकाशन छिटपुट निबन्धक नहि होइत। दृष्टिएँ एकर महत्व अछि वर्तनी लड़कड। एहिसँ पूर्व मैथिलीक कोनो पत्रमे वर्तनी-नीतिक एतेक दृढ़तापूर्वक ~~पालन~~ पालन नहि कयल गेल अछि।

प्रो० राधाकृष्ण चौधरी सेहो एकरा

महत्वपूर्ण प्रश्न थिक जे स्वीकार करैत निम्न लिखित विचार प्रस्तुत कयने छथि –

"From the literary point of view the Publication of the Maithili Sahitya Patra under the able editorship of Ramnath Jha forms a landmark in the history of modern Maithili literature."

चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क अनुसार एकर पत्र-पत्रिकाक भीतर रचना सुरुचि संगत रहैत छल। एहिमे पत्रक एकोटा लेख घटिया नहि होइत अछि। एहिमे ने सम्पादकीय रहैत छल, ने समाचार, ने सामाजिक समस्या, ने अन्य प्रकारक कोनो टिप्पणी आदि।

साहित्य-पत्र अपन उद्देश्यमे सफल रहल, किन्तु भेल थोड़े ई अल्पायु। एक दिस एकरा मैथिलीक अनुपम ग्रन्थक प्रकाशनक गौरव देल तँ दोसर दिस अपन सम्पादनक प्रतिष्ठाकेँ मैथिलीक स्थापित करबाक प्रयास केलन्हि। साहित्य-पत्रक प्रकाशनसँ रमानाथ झा जे गौरव प्राप्त केलनि, तकरा ई अपन बहुविध कार्यसँ बढ़बैत रहलाह।

क्रमशः

Samjit Kumar Ram